वार्तालाप-573 दौलतपुर, दिनांक 24.05.08

Disc.CD No.573, dated 24.5.08 at Daulatpur
Extracts-Part-1

समयः 00.01-01.53

जिज्ञासुः बाबा, जब माउंट आबू में सारे बच्चे पहुँचेंगे, बाप के पास....

बाबाः सारे बच्चे कैसे पहुँचेंगे? सारे बच्चे एक साथ पहुँच जायेंगे? हाँ, बुद्धियोग से तो पहुंचेंगे। लेकिन प्रैक्टिकल में तो सारे एक साथ नहीं पहुँचेंगे।

जिज्ञासुः पूरे वर्ल्ड में उसका वायब्रेशन फैलने से सारी दुनिया चेंज होगी?

बाबाः चारों तरफ आवाज़ फैलेगी तो बुद्धि सबकी कहाँ जावेगी? हँ?

जिज्ञासुः बाप।

बाबाः हाँ। तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। इस सृष्टि पर कोई तो स्थान होगा जहाँ परमधाम उतरा हुआ होगा, सब बीज रूप स्टेज में होंगे, सबकी निर्संकल्प स्टेज होगी, सबकी दुनियादारी, धंधाधोरी छूट गया होगा। अब तो दुनियादारी, धंधाधोरी बाहर की दुनिया कितना बुद्धियोग खींचती है। संग का रंग भी तो लगता है। याद करो बेसिक में जब माउंट आबू जाते थे उस समय माऊंट आबू का वातावरण अभी के मुकाबले सतोप्रधान था या अभी जैसा तमोप्रधान था? सतोप्रधान था। तो कैसी अवस्था बनती थी? बहुत बढ़िया अवस्था बन जाती थी। ऐसे ही होगा।

Time: 00.01-01.53
Student: Baba, when all the children reach Mount Abu to meet the Father….
Baba: How will all the children reach there? Will all the children reach at the same time? Yes, they will reach through the *yog* (connection) of the intellect. But all will not reach at the same time in practical.
Student: Will the entire world change when the vibrations spread from that place?
Baba: When the voice spreads everywhere, where will everybody's intellect go?
Student: The Father.
Baba: Yes. You children will bring down the Supreme Abode to this world. There must certainly be a place in this world where the Supreme Abode would have descended, where everyone would be in a seed form stage, where everyone would be in a thoughtless stage [and] everybody would have left the worldly affairs [and] businesses. Now the worldly affairs, business and the outside world pull our intellect so much. The colour of the company is also applied. Just recollect, when you used to go to Mount Abu in the basic (knowledge), was the atmosphere of Mount Abu *satopradhan* at that time when compared to present atmosphere or was it *tamopradhan* like now? It was *satopradhan*. So, what kind of a stage did you used to achieve? The stage used to be very good. The same thing will happen [in future].

समयः 10.55- 11.12

जिज्ञासुः विज्ञान में जो ट्रंक कॉल बना है वो वायब्रेशन तरंगों से ही बना है।

बाबाः याद का वायब्रेशन भी जिनकी प्रैक्टिस पक्की होगी वो पकड़ सकेंगे। जिनकी प्रैक्टिस पक्की नहीं होगी वो ट्रंक कॉल को नहीं पकड़ सकेंगे।

जिज्ञासुः ये विज्ञान से बनता है तरंगों से ही.....

बाबाः हां, जी। हाँ, जी।

Time: 10.55- 11.12
Student: The trunk call that has been developed in science has been developed through vibrations waves.
Baba: As regards the vibrations of remembrance also; those whose practice will be firm will be able to catch it. Those, whose practice will not be firm, will not be able to catch the trunk call.
Student: This is developed through science, through waves….
Baba: Yes, yes.

समयः 11.17-12.25

जिज्ञासुः बाबा आजकल पक्षी या जानवर, जो विलुप्त होते जा रहे हैं, उनकी जातिया, प्रजातियाँ संसार में दिखाई नहीं दे रही हैं।

बाबाः हाँ, जी।

Time: 11.17-12.25
Student: Baba, nowadays the birds or animals that are becoming extinct, their species are not visible in the world…
Baba: Yes.

जिज्ञासुः तो कहने का अर्थ ये है कि आत्मा तो अजर, अमर, अविनाशी है। तो वो आत्माएं जैसे...

बाबाः कुछ विलुप्त नहीं हो जाता है। संसार में कुछ विलुप्त नहीं हो जाता। मर्ज और इमर्ज होता रहता है। क्या? मर्ज होता है और फिर इमर्ज हो जाता है। जैसे डायनोसोर के लिए कहते हैं विलुप्त हो गए। तो विलुप्त नहीं हो गए। चौपाए थे वो चौपाये हैं अभी। उनकी जाति दूसरी बदल गई। मान लो कोई जंगल में, सारे जंगल में आग लग गई। सारे डायनोसोर जल गए। एक कहीं बच गया – नर या मादा। अब जो एक बचा हुआ है वो कोई न कोई के साथ तो संग, संसर्ग करेगा ना। उसको घड़ियाल मिल गया। या कोई भी चौपाया मिल गया। उसके साथ संसर्ग कर लिया। नई जाति शुरु हो गई। वो डायनोसोर लुप्त हो गए।

Student: So, I mean to say, the soul is *ajar* (beyond old age), *amar* (imperishable), *avinashi* (indestructible). So, those souls…
Baba: Nothing becomes extinct. Nothing becomes extinct in the world. They keep merging and emerging. What? It merges and then emerges. For example, it is said for the Dinosaur that it has become extinct. It has not become extinct. They were four-legged [animals] and they are four-legged [animals] now as well. Their species has changed. Suppose an entire forest caught fire. All the Dinosaurs are burnt [to death]. Somewhere one of them survived; either a male or a female. Well, the one which has survived will come in contact, in connection with someone, will it not? Suppose it found a crocodile or any four-legged [animal] and came in connection with it. A new species began. Those Dinosaurs disappeared.

समयः 16.50-19.10

जिज्ञासुः पोतामेल में बाबा, अगर हम हर, चीज़ एक-एक बात को लिखेंगे तो वो तो पूरा किताब बन जाएगी।

बाबाः क्यों लिखेंगे हर चीज़ एक-एक बात? जो दिल को खाती हो सो लिखो।

जिज्ञासुः जो बात दिल को सिर्फ खाती हो वही लिखें।

बाबाः जो दिल को खाती हो वो ही लिखो। वो ही पाप बन गया। जो दिल को खाती नहीं वो पाप खतम हो गया, भोगते-भोगते।

जिज्ञासुः अभी कोई ऐसी बातें हैं, हम बाबा से मिलते हैं....

बाबाः कोई भी बात है जो दिल के अन्दर खा रही है। ऐसे हमने क्यों किया? ऐसा नहीं होता तो अच्छा होता। बार-बार दिल को कुरेद रही हो। बार-बार बुद्धि में आ रही है वो बात। तो इसका मतलब पाप चढ़ रहा है। पाप बना हुआ है। वो हमें दिल खोलकर बाबा के सामने रख देना चाहिए। आधा खतम हो जाएगा। आधा याद के बल से खत्म हो जाएगा। कोई के ऊपर एक क्विंटल वजन रखा हुआ हो। उसमें से ५० किलो उतर गया, तो कितना हलका हो गया। जल्दी-जल्दी याद के बल से खत्म कर देगा ना । वैसे भी मुरली में बोला है किसी की कुछ भी छिपी हुई नहीं रहेगी। सब प्रत्यक्ष हो जावेगा।

Time: 16.50-19.10
Student: Baba, if we write each and everything in the *potamail*, then it will make a complete book.
Baba: Why will you write each and everything? Write only that thing which pinches your heart.
Student: Should we write only that thing which pinches our heart?
Baba: Write only that thing which pinches your heart. That became a sin. That thing which does not pinch your heart is like a sin which you have exhausted while experiencing sufferings.
Student: Suppose, there is something like this…. for example we meet Baba….
Baba: Everything that is in your heart which pinches you: "Why did I do like this? It would have been better if I had not done so". If it is pinching your heart again and again, if that thing is coming to your intellect again and again, then it means that you are accumulating sin. The sin continues. We should open our heart before Baba. Half of it will end. [The remaining] half will end through the power of remembrance. Suppose a quintal (100 kg) weight has been placed on someone. If 50 kilograms of that weight is removed, he feels so light. He will finish it (i.e. the burden of sins) quickly through the power of remembrance, will he not? Even otherwise, it has been said in the murli that no aspect of any person will remain hidden. Everything will be revealed.

दूसरा जिज्ञासुः ... जैसे कि हम आए थे एक बात बताने के लिए, कहने के लिए कि बाबा हमने एक दिन ये...

बाबाः कही थोड़े ही जाती है? लिख करके दो। सब कचड़ा इधर-उधर फैलाने की क्या दरकार? कचड़ा सागर में डालना है या कि इधर-उधर फैलाना है? गंदगी छोड़ने के लिए? गन्दे वायब्रेशन फैलेंगे तो लोग सोचेंगे – अरे इतना ऊँचा पुरुषार्थी – ये भी ऐसी गल्ती कर सकता है तो हम क्यों न करें? तो और पाप कराने के निमित्त बन जायेंगे।

तीसरा जिज्ञासुः नहीं लिखना आये तो?

बाबाः नहीं लिखना आए तो कोई अज़ीज़ हो, ज्यादा दोस्त हो, कि हमारी बात को छुपा के रखता है, उससे लिखवा लो।

Second student: ….. For example, I came to tell you one thing that Baba one day…
Baba: It is not narrated [orally]. Give it in writing. What is the need to spread the garbage here and there? Should you put the garbage in the ocean or should you spread it here and there to spread dirt? Dirty vibrations will spread; people will think, "*Arey*, such a great *purusharthi*[1] if even this person can commit such a mistake then why shouldn't I? Then you will become an instrument in causing further sins.
Third student: What if somebody does not know how to write?
Baba: If you do not know how to write, then you can get it written from a person, who is close to you, your friend who keeps it confidential. … (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 28.56-31. 35

जिज्ञासुः बाबा कहा गया है कि ब्राह्मणों में कोई दो-तीन जन्म भी ले सकते हैं।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः तो वो जो आत्मा है जो स्त्री चोले में आदि में भी थी, बीच में भी हुई, फिर लास्ट में भी तीसरा जन्म भी उन्होंने…

बाबाः हुई नहीं। ये तो तुमने अटकल लगा ली। ऐसी अटकल क्यों लगा रहे हो कि कोई आत्माएं हुई?

जिज्ञासुः जैसे कि गीता माता के लिए है।

बाबाः गीता माता के लिए तुमने अटकल लगाई। किस आधार पर? तुम्हारे पास क्या प्रूफ है कि बीच में उसने स्त्री जन्म ही लिया? क्या पता उसने पति के रुप में हत्या करने वाले का जन्म लिया हो? कुल्हाड़ा लेकर के अपनी पत्नी को मार डाला हो। ये भी तो हो सकता है। अरे?

दूसरा जिज्ञासुः जालंधर में।

Time: 28.56-31.35
Student: Baba, it is said that some Brahmins may take up to even three births [in the Confluence Age].
Baba: Yes.
Student: That soul, which was in a female body in the beginning [of the *yagya*], [who was a female] in the middle, then also in the third birth, in the last period she…
Baba: She did not [take a female body]. You are making guesses (*atkal*). Why are you making such guesses that there were some souls (which were born thrice as a female)?
Student: Like it is for Gita mata.
Baba: You have made a guess for Gita mata; on what basis [do you say this]? What is the proof with you that she was born only as a female in between? Who knows she must have been born as the husband and must have murdered his wife with an axe? This is also possible. *Arey*?

[1] one who makes spiritual effort

Student: In Jalandhar[2].

बाबाः हाँ, जालंधर की जिस माता का ये वाक़या आता है कि उसके पति ने अपने पत्नी को कुल्हाड़ा लेकरके मार डाला।

दूसरा जिज्ञासुः वो पति का पार्ट हो सकता है।

बाबाः हाँ। बाबा की मुरली को तो कभी काटना ही नहीं चाहिए। बाबा ने मुरली में कह दिया – दो जन्म जास्ती से जास्ती स्त्री या पुरुष के हो सकते हैं। इससे जास्ती नहीं। तो काटना क्यों? विरोधी संकल्प क्यों चलाना? अगर हम यहाँ विरोधी संकल्प चलाते हैं, बाबा की मुरली को काट करके तो मालूम कौनसी लिस्ट हो जाती है? श्रीमत के बरखिलाफ बात करने वाले को? रावण सम्प्रदाय की लिस्ट में चले जाएंगे। ऐसा संकल्प भी नहीं करना जो श्रीमत के महावाक्यों को काटने वाला हो।

Baba: Yes, the mother from Jalandhar who is mentioned [in the *murli*], that her husband killed her with an axe.
Another student: She could have played the part of that husband.
Baba: Yes. You should never cut (i.e. oppose) Baba's murli. Baba has said in the murli, someone can be born as a male or female twice, at the most. Not more than this. So, why should you oppose it? Why should you create opposite thoughts? If we create opposite thoughts here by opposing Baba's murli, then do you know which list you go in? Those who speak against *shrimat*…. (Students: go in the list of the community of Ravan.) They will go in the list of the ones of the Ravan community. You should not even create such thoughts which oppose versions of *shrimat*.

दूसरा जिज्ञासुः ... जो जालंधर की माता को जिन्होंने मारा था...।

बाबाः किन्होंने मारा था?

दूसरा जिज्ञासुः जो...

बाबाः अभी कोई निश्चित थोड़े ही है। वो तो जब टाइम आएगा, मुरलियाँ अभी पीछे की ढ़ेर सारी खुलनी बैठी हैं। कराची में उन्होंने पूरा भण्डार दबा के रख दिया है। वो आखिर भण्डार निकलेगा कि नहीं निकलेगा? नई-नई बातें निकलेंगी।

जिज्ञासुः बाबा, तीन जन्म तो सिद्ध हो गया।

बाबाः तीन जन्म होते हैं।

जिज्ञासुः हाँ।

बाबाः ब्राह्मण बच्चे दो-तीन जन्म लेते हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि वो एक लिंग ही जन्म लेते हैं।

जिज्ञासुः हाँ, लिंग परिवर्तन होता है।

बाबाः होता है।

[2] A city in the state of Punjab, in India

Another Student: The one who had killed the mother from Jalandhar…
Baba: Who killed her?
Student: He who…
Baba: Nothing is certain yet. When the time comes; numerous murlis of the past are yet to be revealed. They have buried an entire store [of murlis] in Karachi. Will that store ultimately emerge or not? Newer topics [of knowledge] will emerge.
Student: Baba, three births have been proved.
Baba: There are three births.
Student: Yes.
Baba: Brahmin children are born twice or thrice. But it does not mean that they are born in the same gender.
Student: Yes, change of gender takes place.
Baba: It takes place.

समयः 33.40-36.15

जिज्ञासुः सतयुग में बाबा सदाबहार ही मौसम होता है। तो ये पूछना हमको कि आज की दुनिया में जो मौसम है बहुत ज्यादा तेज धूप, बहुत बरसात….

बाबाः अभी तो पृथ्वी की धुरी टेढ़ी है। टेढ़ी धुरी होने से सूर्य जो है; जब पृथ्वी घूमते-घूमते; सूर्य के चारों ओर घूम रही है ना। तो सूर्य के चारों ओर घूमते हुए कभी तो ये हिस्सा, ऊपर का हिस्सा सामने आ गया। ये नीचे का हिस्सा दूर हो गया। जब इधर जाएगी तो ये हिस्सा नज़दीक हो जाता है और ऊपर का हिस्सा? (किसी ने कहा – दूर हो जाता है।) तो छह महीने तो उत्तरी ध्रुव में दिन ही दिन रहता है क्योंकि सूरज सामने ही रहता है और छह महीने दक्षिणी ध्रुव में दिन ही दिन रहता है। वह धुरी चेंज हो जाएगी। धुरी ही सारी चेंज हो जाएगी। तो सारा ही परिवर्तन हो जाएगा। अभी जो प्रशान्त महासागर है इतना गहरा, वो इतना गहरा है कि उसकी थाह कोई ने ले ही नहीं पाई। वो प्रशान्त महासागर गड्ढा कैसे बन गया इतना बड़ा? अर्ध विनाश हुआ था द्वापर के आदि में, त्रेता के अन्त में, वो चन्द्रमा का हिस्सा छिटक के आगे निकल गया। प्रशान्त महासागर में एक टुकडा अलग हो गया। तो पृथ्वी का बच्चा हुआ ना। पृथ्वी है ग्रह और उसका नाम क्या दिया गया? उपग्रह। जो उपग्रह है वो पृथ्वी माता के चारों तरफ ओर घूम रहा है।

Time: 33.43-36.15
Student: Baba, it is the spring season in the Golden Age. So, I want to ask, the climate in today's world is that of extreme heat or extreme rainfall…
Baba: Now, the Earth's axis (*dhuri*) inclined [to one side]. Because of its axis being inclined [to one side]; when the Earth while revolving; it is revolving around the Sun, isn't it? So, while revolving around the Sun sometimes this portion, the above portion comes in front of it. This portion below becomes distant. When it goes this side (on the opposite side), then this portion comes closer [to the Sun] and what about the above portion? (Someone said: It becomes distant.) So, for six months there is only day in the North Pole because the Sun remains in front. And for six months, there is only day in the South Pole. That axis will change. The entire axis will change. So, the complete transformation will take place. Now the Pacific Ocean, which is so deep that nobody could measure its depth; how did that Pacific Ocean become such a big pit? When the semi-destruction took place in the beginning of the Copper Age, in the end of the

Silver Age; that portion of the Moon separated (from Earth) and moved out. One portion of the Pacific Ocean separated. So, it is a child of the Earth, isn't it? The Earth is a planet and what was it (i.e. the Moon) named? Satellite. The satellite is revolving around the Mother Earth.

दूसरा जिज्ञासुः प्रशान्त महासागर में जो गड़ा बना हुआ है वो चन्द्रमा का आधा भाग जो है उसका हिस्सा है?

बाबाः उसी का गड़ढा है। अभी सतयुग में क्या चंद्रमा रहेगा? घटेगा-बढ़ेगा? नहीं।

जिज्ञासुः बाबा, सागर तो एक ही है। तो सात सागर के रूप में क्यों दिखाया जाता है?

बाबाः पृथ्वी के खंड हो गए न अलग-अलग। पृथ्वी से उसको खंडित किया गया है। मैप्स में देखो ध्यान से। जहाँ-जहाँ पृथ्वी है तो हिस्से अलग बना दिया गया। उनका नाम रख दिया गया – हिन्द महासागर, प्रशान्त महासागर, अरब महासागर।

Another Student: The pit that is formed in the Pacific Ocean, is it [formed due to] the half portion of the Moon?
Baba: It is a pit of that itself. Will the Moon exist in the Golden Age now? Will it decrease and increase? No.
Student: Baba, when there is only one ocean, why is it shown in the form of seven oceans?
Baba: The Earth was divided into different continents, wasn't it? It has been separated from the Earth. Look at the maps carefully. Wherever there is the Earth, it was divided into different portions: the Indian Ocean, the Pacific Ocean, the Arabian Sea [etc.] … (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 36.17-37.40

जिज्ञासुः बाबा, बांधेली माता कितने दिन बंध करके रहेंगे?

बाबाः जितने उन्होंने बंधन डाले होंगे अपने पति के ऊपर दाढ़ी-मूंछवाला बनके। पूर्वजन्म में दाढ़ी-मूंछ वाली बनी होंगी कि नहीं? कि स्त्री ही बनती रहीं हर जन्म में? अरे एक जन्म में आत्मा स्त्री बनती है। एक जन्म में पुरुष बनती है। तो जब पिछले जन्म में पुरुष बनी थी तो अच्छी तरह से नाक पकड़करके रखा होगा – ए नथनी डालकरके घर में रहो। नहीं तो तुम्हारी नथनिया खींच के रख देंगे। अति की होगी। आपको तो फिर भी इस जन्म में भगवान मिला हुआ है। उनको तो बिचारों को भगवान भी नहीं मिला हुआ था। कोई आधार नहीं था। तो भी उन्होंने सहन किया। तो बंधन काटना नहीं है? खुशी-खुशी काटना है या रो-रो करके काटना है?

जिज्ञासुः खुशी-खुशी काटना है।

बाबाः हाँ। यहाँ तो क्लास में कह दिया – खुशी-खुशी काटना है। फिर नियम कानून माना क्यों नहीं? भगवान का नियम कानून है; क्या? पहले भट्ठी करो, बच्चा बनो। फिर दर्शन करो। दर्शन तो होता भी नहीं इन आँखों से। होता है?

जिज्ञासुः नहीं।

बाबाः इन आँखों से दर्शन होता नहीं।

Time: 36.17-37.40
Student: Baba, how long will the *bandheli* mothers (mothers in bondage) remain tied in bondages?
Baba: As long as they might have created bondages for their husbands (in their past births) by the one with beard and moustache. Will they have become the ones having beard and moustache in the past births or not? Or did they go on becoming only a woman in every birth? *Arey*, a soul becomes woman in one birth and a male in another birth. So, when she had become a male in the past birth, she must have controlled her (wife) a lot. "Wear nasal ring (*nathani*) and stay indoors. Otherwise I will pull your *nathaniya*"☺. You must have gone to the extreme limit (of torture). You have still found God in this birth. Those poor people did not even have God, there was no support for them, yet, they tolerated. So, should you not clear the bondages? Should you cut the bondages happily or by crying?
Student: We have to cut them happily.
Baba: Yes. Here you have said in the class: "We have to cut it happily". Then why didn't you obey the rule and law? The rule and law of God is... What? First undergo *bhatti*, become a child. Then see (God). You can't even see Him through the eyes. Can you?
Student: No.
Baba: You cannot see Him through these eyes.

समयः 40.30-42.14

जिज्ञासुः बाबा, हम ज्ञान में चल रहे हैं और जो ज्ञान में नहीं आत्मा चल रही है, वो हमें बार-बार कलंक का बौछार दे रही है।

बाबाः तो तुमने कलंक लगाए होंगे पूर्व जन्म में राजा बनकरके जाने कितने-कितने कलंक लगाए होंगे। पूर्व जन्म में कलंक हमने कम लगाए थे राजघराने में रह के? जो कलंक लगाए हैं उनका उजूरा नहीं भरना है? हिसाब-किताब पूरा नहीं करना है? हलके हो रहे हो या भारी हो रहे हो?

जिज्ञासुः हलके हो रहे हैं।

Time: 40.30-42.14
Student: Baba, we are following the path of knowledge and the soul who is not following the path of knowledge is showering disgrace (*kalank*) on us.
Baba: So, you must have disgraced them in the past birth when you were a king. Who knows you must have disgraced them a lot. Did we disgrace them any less while being in royal families in the past births? Should we not compensate for the disgrace we showered on them? Should we not settle the accounts? Are you becoming light or heavy?
Student: We are becoming lighter.

बाबाः हलके हो रहे हो तो खुशी-खुशी कलंक; चुप रहो, कलंक कोई चिपक जाते हैं क्या? ग्लानि कोई हमारी करता है, कलंक लगाता है तो कलंक हमको चिपक जाएगा क्या? एक कान से सुनो, दूसरे कान से निकाल दो। लेकिन वो होगा तब ही जब निराकार, जो साकार में इस सृष्टि पर आया हुआ है, उसको पहचान होगी तो उसकी खुशी में रहेंगे। अगर बार-बार अनिश्चय पैदा होता है तो खुशी भी? गायब होती रहेगी। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) निश्चयबुद्धि होकर रहना चाहिए ना। अपनी खुशी और मस्ती में रहो। दुनिया कुछ भी कहती रहे। दुनिया अपने मुँह से ही तो बोलेगी। चुप रहना चाहिए। एक कान से सुना और दूसरे कान से निकाल दिया। हियर नो ईविल,

जो कुछ सुना है ग्लानि की बात, वो दूसरों को सनानी भी नहीं है। इसने हमसे ऐसे किया, ऐसे कहा। अरे, कहा सो फालतू कहा। झूठी बात बोली। उसका असर हमारे ऊपर क्यों पड़े?

Baba: When you are becoming light, then [bear] the disgrace happily; be silent; does disgrace stick to you? If someone defames us, disgraces us, will the disgrace stick to us? Listen through one ear and leave it out through the other. But that will happen only when you recognize the incorporeal one who has come in this world in a corporeal form. Only then will you remain in the joy of [receiving] Him. If you develop doubts again and again, then what will happen to the joy as well? It will go on vanishing. (Student said something.) You should maintain the faith, shouldn't you? Remain in your joy and intoxication. The world may say anything. The world will speak only through their mouth. You should remain silent. Listen through one ear and leave it through the other. Hear no evil. You shouldn't narrate the topics of defamation that you heard, to the others either that this one did this to me, said this to me. *Arey*, whatever he said was a waste. He spoke lies. Why should it affect us?

समयः 42.15-44.00

जिज्ञासुः बाबा, मेरी कन्या है वो .... कर चुकी है और वो २२ साल की हो गई है। लेकिन ज्ञान सुनना नहीं चाहती।

बाबाः तो शादी करो उसकी शादी करना चाहती है तो। काहे के लिए रोका हुआ है? उसको क्यों रोका हुआ है? तुम अम्मा हो, उसकी दिल की बात जान नहीं सकती, वो क्या चाहती है? आज तक आप उसकी दिल की बात नहीं जान सके कि वो क्या चाहती है? शादी करना चाहती है या ज्ञान में चलना चाहती है या घर में ही बैठके रहना चाहती है ज़िन्दगी भर? क्या चाहती है?

जिज्ञासुः बस घर में ही रहती है। सिलाई-विलाई कर रही है और कुछ नहीं ...

बाबाः आपको परेशानी क्या है?

जिज्ञासुः मुझे कुछ नहीं है परेशानी ।

Time: 42.15-44.00
Student: Baba, I have a daughter. She has completed ... and she has reached the age of 22. But she does not want to listen to the knowledge.
Baba: So, get her married if she wants to marry. Why have you stopped her? Why have you stopped her? You are her mother; can't you read her heart that what she wants? Could you know what is in her heart till today regarding what she wants? Does she want to marry or does she want to follow the path of knowledge or does she wants to remain at home the entire life? What does she want?
Student: She remains at home. She does stitching work and nothing else...
Baba: What is your problem?
Student: I do not have any problem.

बाबाः तो काहे के लिए यहाँ क्लास में बैठके ये बात सुना रही हो? आपको कोई परेशानी भी पैदा नहीं कर रही है बिचारी चुपचाप घर में बैठती है। बाहर निकलकरके भी नहीं देखती। बाहर की दुनिया में जा भी नहीं रही है। संग का रंग भी बाहर की दुनिया का नहीं ले रही है। पवित्र रहती

है आपके घर में रहके। आप उसे रहने दीजिए। रोटी दाल नहीं है घर में खाने के लिये क्या? अरे पवित्र रहना... ज्ञान का उद्देश्य क्या है?

जिज्ञासुः पवित्र रहना।

बाबाः जो ज्ञान का मूल उद्देश्य है वो क्या है? किसलिए ज्ञान लिया जाता है? (सभी-पवित्र रहने।) तो घर में रहकर के भी वो पवित्र रह रही है। अब आपको क्या परेशानी है? वो बिना ज्ञान लिए ही पवित्र रह रही है। और आपने ज्ञान लिया है तो भी पवित्र नहीं रह पा रहे हैं। रह पा रहे हैं?

जिज्ञासुः नहीं, हम रह पा रहे हैं। लेकिन जो हे कि घरवाले या बाहरवाले कहते हैं कि शादी....

बाबाः फिर वही बाहरवाले। अरे, बाहरवालों की तो बुद्धि खराब है। बाहरवालों की बात सुनना ही नहीं है। एक कान से सुनो, दूसरे कान से निकाल लो। खा जाएंगे तुमको? अगर बाहरवालों की बात नहीं सुनोगे एक कान से सुनके दूसरे कान से निकाल दोगे तो खा जाएंगे? क्या करेंगे? रोटी दाल देना बंद कर देंगे? नहीं। फिर क्या?

Baba: Then why are you narrating this topic while sitting in the class? She is not creating any trouble for you either. Poor girl, she is sitting quiet at home. She does not even venture out. She is not going to the outside world. She is not getting coloured by the company of the outside world either. She leads a pure life while living at your home. Let her live that way. Don't you have enough to feed her? *Arey*, to lead a pure life... what is the aim of the knowledge?
Student: To lead a pure life.
Baba: What is the main objective of the knowledge? Why is knowledge obtained? (Everyone: to lead a pure life.) So, she is leading a pure life even while living at home. Then, what is your problem? She is leading a pure life without obtaining knowledge. And you have obtained knowledge; and still you are not able to lead a pure life? Are you?
Student: No, I am. But the members of the family or outsiders say that marriage…
Baba: Again you are speaking of the outsiders. *Arey*! The intellect of the outsiders is spoilt. You should not listen to the outsiders at all. Listen through one ear and leave it out through the other. Will they eat you up? If you do not listen to the outsiders, if you hear through one ear and leave it out through the other, then will they eat you up? What will they do? Will they stop feeding you? No. Then what is the problem? (Concluded.)

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.